Name: _____ Date: _____

चिड़िया की बच्ची

प्रश्न-1 माँ के पास पहुँच कर चिड़िया की क्या हालत हुई?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-2 माधवदास ने चिड़िया को क्या - क्या प्रलोभन दिए?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-3 चिड़िया माधवदास के बहकावे में क्यों नहीं आई?

उत्तर _____

_____

_____

_____

प्रश्न-4 'माँ मेरी बाट देखती होगी' - नन्ही चिड़िया बार-बार इसी बात को कहती है। आप अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि हमारी जिंदगी में माँ का क्या महत्व है?

उत्तर _____

_____

_____

www.educationwithfun.com

चिड़िया की बच्ची

प्रश्न-1 माँ के पास पहुँच कर चिड़िया की क्या हालत हुई?

उत्तर माँ के पास पहुँच कर चिड़िया माँ की गोद में गिरकर सुबकने लगी। वह काँप - काँपकर माँ की छाती से चिपक गई। बड़ी देर में उसे ढाढ़स बँधा और तब वह पलक मींच माँ से चिपककर सोई जैसे अब पालक न खोलेगी।

प्रश्न-2 माधवदास ने चिड़िया को क्या - क्या प्रलोभन दिए?

उत्तर माधवदास ने चिड़िया को सोने का एक घर बनवाने जिसमें मोतियों की झालर लटकी होगी और पानी पीने की कटोरी भी सोने की होगी, मालामाल करने और ढेर सारा सोना देने का प्रलोभन दिया। उससे यह भी कहा कि बगीचे के फूल उसके लिए खिला करेंगें।

प्रश्न-3 चिड़िया माधवदास के बहकावे में क्यों नहीं आई?

उत्तर चिड़िया के लिए हवा, धुप और फूल ही उसकी धन-संपत्ति थे। उसकी सारी संपन्नता उसकी स्वछंदता ही थी। उसे सोने चाँदी से कुछ लेना देना नहीं था। चिड़िया के लिए आत्मिक और पारिवारिक सुख ही महत्वपूर्ण था। उसके लिए उसकी माँ की गोद सबसे प्यारी थी। यही कारण था कि वह माधवदास के बहकावे में नहीं आई।

प्रश्न-4 'माँ मेरी बाट देखती होगी - नन्ही चिड़िया बार-बार इसी बात को कहती है। आप अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि हमारी जिंदगी में माँ का क्या महत्व है?

उत्तर ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया है। माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरुरतो का ध्यान रखती है तथा हमें हर प्रकार के कष्ट से बचाती है। माँ के साए में बच्चा सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करता है। इसलिए हमारे जीवन में माँ का स्थान सर्वोपरि है।

www.educationwithfun.com